No. of Printed Pages : 3 **MHD-24**

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न क्रं. 1 अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) अब रहीम मुसकिल पड़ी, गाढ़े दोऊ काम।
साँचे से तो जग नहीं, झूठे मिलें न राम

(ख) विधि के समान है विमानीकृत राजहंस,
विविध विबुध-युत मेरु सो अचल है।
दीपति दिपति अति सातौ दीप देखियत,
दूसरो दिलीप सो सुदक्षिणा को बल है।

सागर उजागर सो बहु बाहिनी को पति,

छनदान प्रिय कैधौं सूरज अमल है।

सब विधि समरथ राजै राजा दशरथ

भगीरथ–पथ–गामी गंगा कैसो जल है।

(ग) चलन लगी अँखिया चपल, चलन लगी लखि छाँह।

तन जोबन आवन लग्यो, मनभावन मन माँह

(घ) गोरिन को गुन गर्वसु सर्वसु,

ग्वारि गमावन हारि लखी तू।

वातन हीं घर जात,

घने उतपातन की निधि मैं निरखी तू

ल्याई भुलाई सु मेरिये भूल,

चली अपनी मुख माड़ि मखी तू।

प्रीतम मीत अमीत सुने नहिं,

होति कहूँ सोई सौति सखी तू

2. हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक इतिहास ग्रंथों में रीतिकाल को समझने के प्रयासों की विवेचना कीजिए। 10

3. नीतिकाव्य परंपरा का परिचय दीजिए। 10

4. केशव के काव्य के कलापक्ष का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए। 10

5. देव की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) रहीम के काव्य में भक्ति

(ख) पद्माकर की काव्य-भाषा

(ग) केशव की कविता में प्रकृति

(घ) मतिराम के काव्य में उक्ति-वैचित्र्य